भोले मेरी नईया को

भोले मेरी नईया को, भव पार लगा देना ॥
मैं आपके हाथों में ॥, मेरी विगड़ी बना देना,,,
भोले मेरी नईया को,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

तुम शँख बजा कर के, दुनियाँ को जगाते हो ।
डमरू की मधुर धुन से, सदमार्ग दिखाते हो ॥
मैं मूर्ख सब मेरे ॥, अवगुण को भुला देना,,,
भोले मेरी नईया को,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

हर ओर अँधेरा है, तूफानों ने घेरा है ।
कोई राह नहीं दिखती, बस तुझपे भरोसा है ॥
एक आस लगी तुमसे ॥, मेरी लाज बचा देना,,,
भोले मेरी नईया को,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

हे जगदम्बा के स्वामी, देवादि देव नमामि ।
सबके मन की तुम जानो, शिव शंकर अंतर्यामी ॥
दुःख आप मेरे मन का ॥, महादेव मिटा देना,,,
भोले मेरी नईया को,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

महादेव जटा में तुमने, गंगा को छुपाया है ।
माथे पे चन्द्र सजाया, विषधर लिपटाया है ॥
मुझे नाथ गले अपने ॥, महाँकाल लगा लेना,,,
भोले मेरी नईया को,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18421/title/bhole-meri-naiya-ko

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |